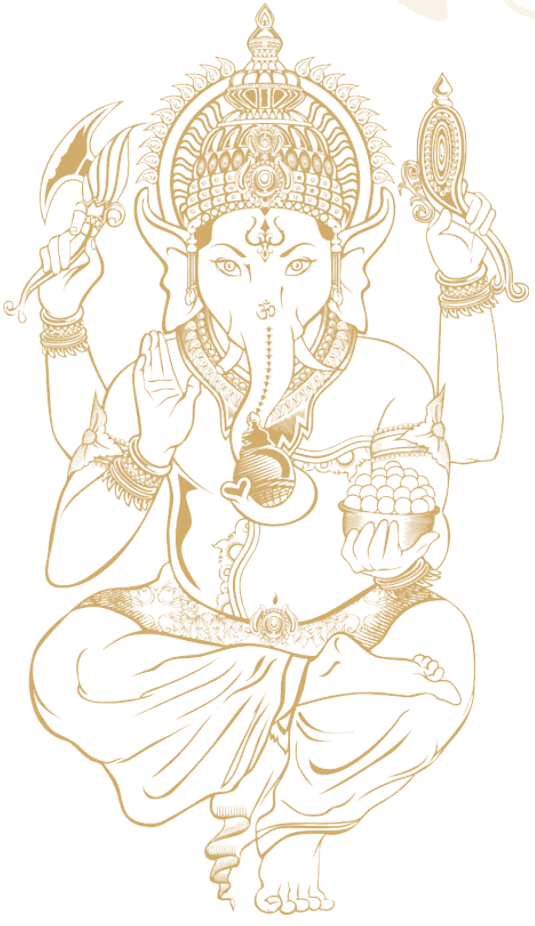

Parimeshwari

18 Jan 1993

09:17 PM

Tehri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121763602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/01/1993**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**21:17:00 घंटे**
इष्ट	35:09:39 घटी
स्थान	**Tehri**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:21:00 उत्तर
रेखांश	78:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:00:56 घंटे
वेलान्तर	-00:10:25 घंटे
साम्पातिक काल	04:53:10 घंटे
सूर्योदय	07:13:08 घंटे
सूर्यास्त	17:40:07 घंटे
दिनमान	10:26:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	04:48:35 मकर
लग्न के अंश	21:44:16 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वृद्धि
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नो-नौनिहाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	21:44:16	312:18:53	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			मक	04:48:35	01:01:06	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	17:43:13	12:51:07	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	नीच राशि
मंगल	व		मिथु	19:51:11	00:20:36	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	शत्रु राशि
बुध		अ	मक	01:34:04	01:38:35	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
गुरु			कन्या	20:45:43	00:01:58	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	21:52:11	01:01:30	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि			मक	24:32:47	00:06:57	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	स्वराशि
राहु			वृश्चि	27:20:07	00:00:59	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
केतु			वृष	27:20:07	00:00:59	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	सम राशि
हर्ष			धनु	24:57:08	00:03:32	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप			धनु	25:15:31	00:02:15	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	01:18:40	00:01:21	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
दशम भाव			वृष	20:50:27	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:54

लग्न-चलित

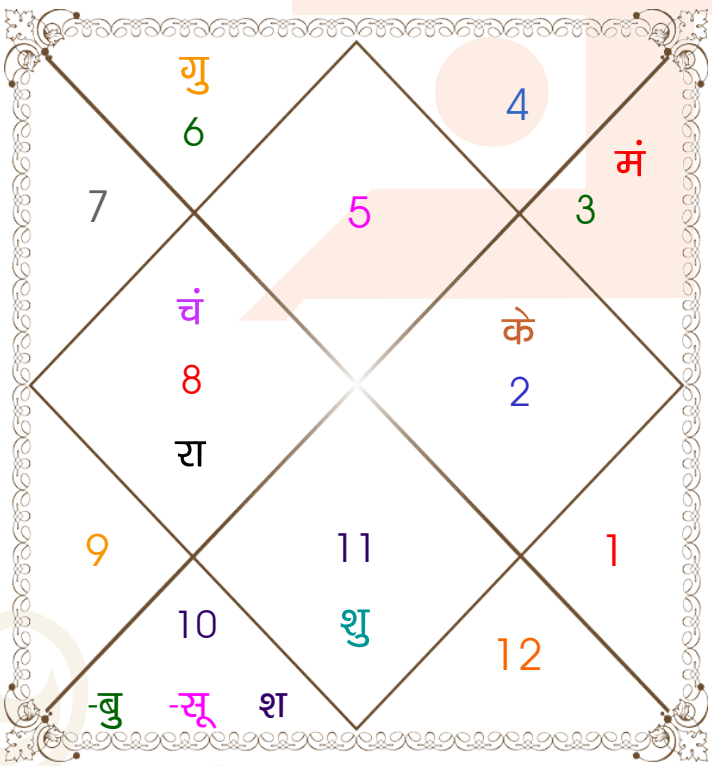

चन्द्र कुंडली

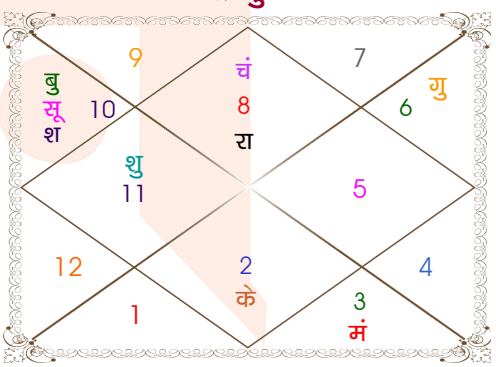

नवमांश कुंडली

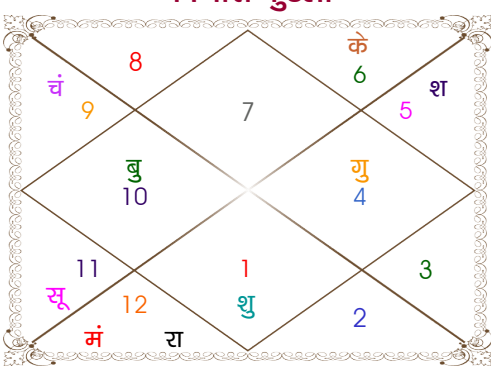

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 15 वर्ष 7 मास 26 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
18/01/1993		15/09/2008		16/09/2015		16/09/2035		15/09/2041	
15/09/2008		16/09/2015		16/09/2035		15/09/2041		16/09/2051	
बुध	11/02/1994	केतु	11/02/2009	शुक्र	15/01/2019	सूर्य	03/01/2036	चंद्र	17/07/2042
केतु	09/02/1995	शुक्र	13/04/2010	सूर्य	15/01/2020	चंद्र	04/07/2036	मंगल	15/02/2043
शुक्र	09/12/1997	सूर्य	19/08/2010	चंद्र	15/09/2021	मंगल	09/11/2036	राहु	16/08/2044
सूर्य	16/10/1998	चंद्र	20/03/2011	मंगल	15/11/2022	राहु	03/10/2037	गुरु	16/12/2045
चंद्र	16/03/2000	मंगल	16/08/2011	राहु	15/11/2025	गुरु	23/07/2038	शनि	17/07/2047
मंगल	14/03/2001	राहु	03/09/2012	गुरु	16/07/2028	शनि	05/07/2039	बुध	15/12/2048
राहु	01/10/2003	गुरु	10/08/2013	शनि	16/09/2031	बुध	10/05/2040	केतु	16/07/2049
गुरु	06/01/2006	शनि	18/09/2014	बुध	17/07/2034	केतु	15/09/2040	शुक्र	17/03/2051
शनि	15/09/2008	बुध	16/09/2015	केतु	16/09/2035	शुक्र	15/09/2041	सूर्य	16/09/2051

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/09/2051		15/09/2058		15/09/2076		15/09/2092		17/09/2111	
15/09/2058		15/09/2076		15/09/2092		17/09/2111		00/00/0000	
मंगल	12/02/2052	राहु	29/05/2061	गुरु	03/11/2078	शनि	19/09/2095	बुध	19/01/2113
राहु	01/03/2053	गुरु	22/10/2063	शनि	16/05/2081	बुध	29/05/2098		00/00/0000
गुरु	05/02/2054	शनि	28/08/2066	बुध	22/08/2083	केतु	08/07/2099		00/00/0000
शनि	17/03/2055	बुध	17/03/2069	केतु	28/07/2084	शुक्र	07/09/2102		00/00/0000
बुध	13/03/2056	केतु	04/04/2070	शुक्र	29/03/2087	सूर्य	20/08/2103		00/00/0000
केतु	09/08/2056	शुक्र	04/04/2073	सूर्य	15/01/2088	चंद्र	21/03/2105		00/00/0000
शुक्र	10/10/2057	सूर्य	27/02/2074	चंद्र	16/05/2089	मंगल	29/04/2106		00/00/0000
सूर्य	14/02/2058	चंद्र	28/08/2075	मंगल	22/04/2090	राहु	05/03/2109		00/00/0000
चंद्र	15/09/2058	मंगल	15/09/2076	राहु	15/09/2092	गुरु	17/09/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 15 वर्ष 8 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।